Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 21-02-2006
Participants : Barq Shri Shafiqur Rahman,Kumar Shri Shailendra,Shahid Shri Mohammed,Yadav Prof. Ram Gopal,Jha Shri Raghunath,Dikshit Shri Sandeep,Mistry Shri Madhusudan Devram,Barq Shri Shafiqur Rahman,Patil Shri Shivraj V.,Patil Shri Shivraj V.,Yadav Shri Devendra Prasad,Shahid Shri Mohammed,Malhotra Prof. Vijay Kumar

an>

Title : Regarding the derogatory display of Hindu deities in Germany and cartoons of 'Prophet Hazrat Mohammed' published in Denmark.

प्रो. राम गोपाल यादव (सम्भल) : अध्यक्ष महोदय, आपने शून्यकाल में मुझे एक ऐसे मसले को उठाने की इजाजत दी है जो इस देश के करोड़ों लोगों की भावनाओं से जुड़ा हुआ है। कुछ ऐसा हो गया है कि पिछले दिनों में पश्चिमी देशों में चाहे हमारे हिन्दुस्तान के देवी-देवताओं का मामला हो, चाहे डेनमार्क में हजरत मौहम्मद साहब के कार्टून बनाने का मामला हो। जर्मनी की एक कंपनी इस्निफ टिश्यु पेपर प्रोडक्ट ने भगवान राम और कृण की प्रतिमाओं को टिश्यु पेपर पर छापकर उसे मार्केट में लाने का काम किया है। इससे बड़े पैमाने पर लोग दुखी और क्षुब्ध हैं। मैं सरकार से मांग करता हूं कि वह डेनमांर्क और जर्मनी के राजदूत को बुलाये और देश के लोगों की भावनाओं की कद्र करते हुए उनके साथ अपना प्रतिरोध जाहिर कीजिए। वहां की सरकारों से कहे कि वह इस तरह की सारी प्रोडक्ट्स को विदड्रा करें और वे लोग अनकंडीशनल अपोलोजी टेन्डर करें, जिन लोगों की भावनाएं इन कर्मों से आहत हुई हैं।

SHRI AJOY CHAKRABORTY (BASIRHAT): We agree with you. … (*Interruptions*)

डॉ. शफ़ीकुर्रहमान बर्क (मुरादाबाद) : सर, मैं भी बोलना चाहता हूं। यह बहुत इम्पॉर्टेन्ट मामला है।

अध्यक्ष महोदय : आपका नाम एसोसिएट कर दिया है।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : जो भी नाम देना चाहें, वे स्लिप भेज दें। आपका नाम एसोसिएट कर दिया है।

श्री रघुनाथ झा (बेतिया) : मैं इस विाय के साथ एसोसिएट करता हूं।

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : मैं यादव साहब द्वारा उठाये गये मुद्दे से अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्री राम कृपाल यादव (पटना) : मैं भी इससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्री सन्दीप दीक्षित (पूर्वी दिल्ली) : सर, मैं भी इससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्री शैलेन्द्र कुमार (चायल) : मैं इससे अपने आपको एसोसिएट करता हूं।

श्री मधुसूदन मिस्त्री (साबरकंठा) : सर, मैं भी इससे अपने आपको एसोसिएट करता हूं।

मोहम्मद शाहिद (मेरठ) : सर, ये करोड़ों लोगों की भावनाओं का मामला है।

अध्यक्ष महोदय : आपका नोटिस नहीं है।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपने नोटिस टाइम पर नहीं दिया। लेकिन फिर भी आपका नाम एसोसिएट हो जायेगा।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपने नोटिस नहीं दिया, आप बैठिये।

मोहम्मद शाहिद : मेरा नोटिस है।

अध्यक्ष महोदय : आपने नोटिस टाइम पर नहीं दिया।

मोहम्मद शाहिद : मुझे इस पर बोलना है।

अध्यक्ष महोदय : आपने समय पर नोटिस देने का कट नहीं किया।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : हमने बोला है कि आपका नाम रिकार्ड कर दिया है।

मोहम्मद शाहिद : पूरी दुनिया में हाहाकार मच रहा है और आप मुझे टाइम देने के लिए तैयार नहीं हैं।

MR. SPEAKER : Hon. Minister, do you want to respond now?

... (*Interruptions*)

मोहम्मद शाहिद : मैं आपसे सिर्फ दो मिनट मांग रहा हूं। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : हम आपको इस तरह से टाइम नहीं देंगे। इस तरीके से टाइम नहीं मांगा जाता है।

मोहम्मद शाहिद : यह हमारे लोगों को जज्बात से जुड़ा हुआ प्रश्न है, चाहें आप मुझे बाहर निकाल दें, मेरी सदस्यता समाप्त कर दें। यहां पर एक माननीय सदस्य की भावना को दबाना नहीं चाहिए।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER : What are you talking?

... (*Interruptions*)

MR. SPEAKER : What are you talking? हम आपसे कह रहे हैं कि इस बारे में हमारा जो सिस्टम है, उसी प्रोसीजर को हम फॉलो कर रहे cé[R13]।

… (*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : इस बारे में हमारे प्रोसीजर का एक सिस्टम है जिसे हम फौलो करेंगे।

मोहम्मद शाहिद : मैंने भी इस बाबत नोटिस दिया हुआ है।

अध्यक्ष महोदय : ऐसे लाल आंख दिखाने से काम नहीं चलेगा।

मोहम्मद शाहिद : अध्यक्ष महोदय, मैं रिक्वैस्ट कर रहा हूं।

अध्यक्ष महोदय : आप रिक्वैस्ट नहीं कर रहे हैं। आप धमकी देते हैं।

मोहम्मद शाहिद : अध्यक्ष जी, आप हमारे ज़ज्बात समझें।

अध्यक्ष महोदय : आप चेयर को धमकाते हैं।

मोहम्मद शाहिद : सदस्यों के जज़्बात को नहीं दबाना चाहिए।

MR. SPEAKER: You should be here as a Member.

मोहम्मद शाहिद : हम करोड़ों लोगों के साथ हैं।

अध्यक्ष महोदय :आप ही एक ऐसे आदमी नहीं जो करोड़ों के बारे में सोचते हैं, बाकी सब भी सोचते हैं।

आप बैठ जायें। इस तरह का व्यवहार ठीक नहीं है।

डॉ. शफ़ीकुर्रहमान बर्क : हमें बोलने के लिये मौका दिया जाये।

अध्यक्ष महोदय : ठीक है, आप बोलिये।

डॉ. शफ़ीकुर्रहमान बर्क : सदरे मोहतरम, हज़रत मोहम्मद रसूलुल्लाह सलअल्लाह व अलयेह वस्सल्लम, जो मुसलमानों के प्रोफेट हैं, डेनमार्क में उनके कार्टून छापकर…(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Do not expect it in future.

डॉ. शफ़ीकुर्रहमान बर्क : उनकी शान में बेइज्जती की गई है। इससे दुनिया के सारे मुसलमान बेहद दुखी और बेचैन हैं। हिन्दुस्तान के अंदर करोड़ों मुसलमानों ने जगह-जगह मुज़ाहिरे किये हैं। मुसलमान हर बात बर्दाश्त कर सकता है, जान-माल और औलाद कुर्बान कर सकता है लेकिन हजरत मोहम्मद की शान में कोई बेइज्जती बर्दाश्त नहीं कर सकता। मेरी गवर्नमेंट से मांग है कि इस मामले को सीरियसली ले और इस सदन में डेनमार्क के खिलाफ कंडेमनेशन का, मज्ज़मत का प्रस्ताव लाये। मेरी यह मांग भी है कि इस पर कार्यवाही की जाये।

MR. SPEAKER: You do not give notice in time and show red eyes to the Chair. You were so much concerned that you were not getting time, but you do not give notice in time and were giving lectures.

मोहम्मद शाहिद : अध्यक्ष जी, मैं आपका शुक्रिया अदा करता हूं कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया है। मेरे ज़ज्बात हैं। आज देश में करोड़ों लोग सड़कों पर उतरे हुये हैं। 15 करोड़ माइनौरटीज के लोग सदन की प्रजा हैं। उनके ज़ज्बात को इस कदर ठेस पहुंची हुई है कि आपने मुझे बोलने के लिये दो मिनट दिये, उसके लिये आपका आभार व्यक्त करता हूं। यह देश की सब से बड़ी पंचायत है। इस देश के हिन्दू-मुसलमानों ने अपना खून बहाकर कुर्बानी दी है...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय :आप रूल बुक फाड़कर फैंक दीजिये। क्या आप जैसा चाहेंगे, वैसा ही बोलने के लिये टाइम मिलेगा?

मोहम्मद शाहिद : यह मैटर पिछले काफी अरसे से चल रहा है लेकिन यू.पी.ए. की चेयर पर्सन श्रीमती सोनिया गांधी की तरफ से शाही इमाम को एक लैटर लिखा गया जिसमें कहा गया कि उन्हें इस बात का खेद है और वे इस दुख में शामिल है। बयान बराबर आ रहे हैं लेकिन अफसोस की बात है कि सरकार की तरफ से अभी तक डेनमार्क के साथ रिश्ता नहीं तोड़ा गया और न यहां किसी प्रकार का कोई एतराज दर्ज किया गया। जैसा श्री राम गोपाल यादव ने कहा है कि जर्मनी के अंदर एक समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाई गई। यह एक साज़िश के तहत दुनिया में रहने वाले मुख्तलिफ मज़हब के लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई जा रही है। मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि सरकार इस मामले में डेनमार्क के अम्बैसेडर को बुलाकर, अपने देश की प्रजा की भावनाओं को जो ठेस पहुंचायी है, उसका विरोध दर्ज किया जाये और डेनमार्क गवर्नमेंट के साथ सारे रिश्ते खत्म कर दिये जायें नहीं तो डेनमार्क के उस आदमी के खिलाफ, जिसने दुनिया के करोड़ों मुसलमानों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है, डेनमार्क की सरकार कार्यवाही करे। आपने समय दिया, उसके लिये धन्यवाद।

श्री शिवराज वि. पाटील : अध्यक्ष जी, यहां जो बातें...(व्यवधान)

मोहम्मद शाहिद : अध्यक्ष जी, यदि मेरी तरफ से आपको ठेस पहुंची हो तो उसके लिये मैं क्षमा चाहता हूं। मेरे भी ज़ज्बात हैं और भी इस सदन का सदस्य हूं।

अध्यक्ष महोदय : मैंने यही कहा है कि इस तरह से बात करना ठीक नहीं है। यह हाउस ठीक ढंग से चले, यह हमारा दायित्व है।

श्री शिवराज वि. पाटील : अध्यक्ष जी, डेनमार्क में मोहम्मद पैगम्बर साहब के संबंध में जो कार्टून बनाये जाने की बात कही गई है, उस संबंध में न केवल सदन के बाहर बल्कि सदन के अंदर भी काफी चर्चा की गई है। उस बात के सब ने

कंडैम किया है। मैं यह कहना चाहूंगा कि हमारी पार्टी की नेता की तरफ से कंडैम किया गया है, बाहर भी किया गया है और सदन के अंदर भी कंडेम किया गया है। हमारी सरकार की ओर से भी डेनमार्क की सरकार से इस बारे में मालूमात कराकर प्रोटैस्ट करके कंडेम किया गया cè[RB14]। कल राज्य सभा में भी इसकी चर्चा हुई, जिसमें सभी राजनीतिक दलों के सदस्यों ने इसको कंडैम किया। आज भी यहां पर मुझे यही नज़र आ रहा है कि सारी पार्टी के नेता और सदन के सदस्य इस बात को पूरी तरह से कंडैम करते हैं। किसी की भावनाओं को चोट लगे ...(व्यवधान)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : माननीय सदस्य ने जर्मनी में राम और कृण के चित्रों की बात की थी, उस पर आपने कुछ नहीं कहा। ...(व्यवधान)

श्री शिवराज वि. पाटील : मैं वही कह रहा हूं कि समाज के किसी भी धर्म के किसी भी प्रतिठित व्यक्ति के खिलाफ कोई ऐसी भाा का उपयोग करे या इस पद्धति से कुछ कहा जाए या दिखाया जाए जिसकी वजह से उस धर्म पर आस्था रखने वाले लोगों के मन को चोट पहुंचे, वह ठीक नहीं है। ऐसे कार्यों को हम सब कंडैम करते हैं। सिर्फ डेनमार्क के लिए नहीं, जहां पर भी कुछ ऐसा हुआ, चाहे इस्लाम धर्म के खिलाफ हो, क्रिश्चियन धर्म के खिलाफ हो, हिन्दू, बौद्ध या जैन धर्म के खिलाफ जो कोई भी ऐसा कुछ करते हैं, उसको हम पूरी तरह से कंडैम करते हैं। सरकार की तरफ से इसको कंडैम किया गया है। सरकार को ज्यों ही मालूम हुआ, उसी समय उसको कंडैम किया गया। उसको शायद उतनी प्रसिद्धि नहीं मिली है, जितनी मिलनी चाहिए थी, मगर सरकार की ओर से ऐसा किया गया है। सभी पक्षों के नेताओं की तरफ से ऐसा किया गया है। इस बात पर सारा सदन एक है, सारी अच्छाइयों से सोचने वाले लोगों के मन एक हैं और इस पर कोई दो राय नहीं हो सकतीं।

हमारी इतनी ही दुआ है और सब लोगों से इतनी ही विनती है कि ऐसे दिल को तोड़ने वाले मामले कुछ गड़बड़ी फैलाने का माहौल पैदा कर सकते हैं। उसको ध्यान में रखते हुए हम सब मिलकर इसको कंडैम करते हैं मगर हमें यह भी देखना चाहिए कि उसका फायदा लेकर यहां पर कोई ऐसी बात न हो जिसकी वजह से और ज्यादा नुकसान हो। ...(व्यवधान)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : जो भारतमाता का नग्न चित्र बनाया, दुर्गा का नग्न चित्र बनाया, वह तो एक भारतीय ने ही बनाया। उसके खिलाफ तो कार्रवाई करिये। ...(व्यवधान)

श्री शिवराज वि. पाटील : मैंने किसी एक धर्म के बारे में नहीं, सबके बारे में कहा है।

.....

MR. SPEAKER: Nothing will be recorded except the point being raised by Shri S. S. Dhindsa.

(Interruptions) ...*

श्री सुखदेव सिंह ढींडसा (संगरूर) : स्पीकर साहब, मैं आपका शुक्रगुज़ार हूं कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया। जनवरी के पहले हफ्ते में बहुत ज्यादा ठंड पड़ी तो पंजाब में 35,000 से 40,000 हैक्टेयर आलू की फसल बरबाद हो गई। ...(व्य

वधान)

अध्यक्ष महोदय : आपका तो दूसरा नोटिस है। पगड़ी पर नोटिस है।